Sai Social Responsibility Research Centre

104, B.D. Chamber, D.B. Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi – 110005

15 August 2022

15 Th August celebrations @SSRRC at safderjung

साईं सोशल रेस्पोंसिविलिटी रिसर्च सेटर (SSRRC) ने दिनांक 15 August 2022 को 8 बजे सफदरगंज (पालाईओवर के नीचे झुग्गी–बस्ती में सबने मिलकर स्वतंत्रता दिवस का पर्व मनाया।

15 अगस्त को पूरे देश की तरह एक स्थानीय झुग्गी–वस्ती में भी स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह और देशभक्ति की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वजा फहराने के साथ हु ई, जिसे साई सोशल रेस्पोसिविलिटी रिसर्च सेंटर की निर्देशिका डॉ सुशी सिंह द्वारा संपन्न किया गया। इसके पश्चात सभी ने मिलकर कर गर्व के साथ राष्ट्रगान 'जग गण मन' से की गई। इस दौरान वातावरण "भारत माता की जय" और वंदे मातरम्" के नारों से गूंज उठा ।

इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिनमें देशभक्ति गीत, कविताएँ और नत्य शामिल थे। स्वतंत्रता शामिल थे | स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित नाटकों ने सभी दर्शकों को भावुक कर दिया। बच्चों की प्रतिभा और उनके उत्साह ने समारोह को जीवंत बना दिया। इस आयोजन में स्थानीय सामाजिक और स्वयंसेवकों ने भी सहयोग किया। बच्चो को मिठायाँ और स्टेशनरी वितरित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने देश की आजादी के महत्व, देशभक्तो के बलिदान और शिक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला ।

हालाँकि संसाधन सीमित थे, लेकिन उत्साह और प्रेम की कोई कमी नहीं थी। चारो ओर तिरंगे झंडे, रंगोली और बच्चों द्वारा बनाए गए पोस्टर, पतंग,से वातावरण देशभक्ति से सराबोर था।

कार्यक्रम में छोटे–छोटे बच्चों ने कविता पाठ किया

"सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है...."

"□□□□ □□□□ □□ □□□□□ "

जिसे सुनकर उपस्थित लोग भावुक हो उठे। कुछ बच्चों ने स्वतंत्रता सेनानियों जैसे महात्मागांधी ,भगत सिंह,रानी लक्ष्मी बाई और सुभाष चंद्र बोस की भूमिका निभाकर छोटा नाटक प्रस्तुत किया। उनकी मेहनत और जोश देखकर सभी लोग गर्व महसूस कर रहे थे। उनकी छोटी छोटी प्रस्तुतियो ने साबित किया कि सच्चा देशप्रेम साधनो का मोहताज नहीं ,बल्कि दिल की गहराइयों से आता है।

कार्यक्रम के अंत में, सभी ने मिलकर स्वच्छता अभियान भी चलाया और अपने आस–पास के क्षेत्र को साफ किया , जिससे यह संदेश गया कि सच्ची देशभक्ति केवल नारों में नहीं, बल्कि कर्म में होती है|

इस प्रकार यह आयोजन न सिर्फ म्रोरंजान का स्त्रोत रहा , बल्कि लोगो को एकता , सेव और देशप्रेम का सिख सिखा गया।

आज का दिन हम सब के लिए खास था। झंड। फहरते ही ऐसा लगा जैसे आसमान भी खुश हो गया हो। झुग्गी झोपड़ी क्षेत्र में हुए इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि देशभक्ति की भावना साधनों पर निर्भर नही करती, बल्कि हर भारतीय के दिल में समान रूप से बसती है।